अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : सातवीं - जैनागम स्तोक वारिधि (परीक्षा 07 जनवरी, 2018)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे। 3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- 10x1 = (10)

(a) नारकी में 47 बोल में से ज्ञान के कितने बोल मिलते हैं-

(क) 3 (ख) 4

(ग) 5 (घ) 6 ( )

(b) अवेदी में गुणस्थान होते हैं-

(क) 10 से 14 (ख) 9 से 14

(ग) 11 से 14 (घ) 13 से 14 ( )

(c) प्रत्येक जीव की पर्याय होती है -

(क) संख्यात (ख) असंख्यात

(ग) अनन्त (घ) कोई नहीं ( )

(d) संख्यात वर्षायुष्क सन्नी मनुष्य की जघन्य अवगाहना में ज्ञान हो सकते हैं-

(क) 2 (ख) 3

(ग) 2 अथवा 3 (घ) ज्ञान नहीं होता ( )

(e) अजीव पर्याय का कथन प्रज्ञापना सूत्र के कौनसे पद में हैं-

(क) तीसरे (ख) पाँचवें

(ग) छठें (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(f) अजीव पर्याय के थोकड़े में संख्यात भाग हीनाधिक तथा संख्यात गुण हीनाधिक से आशय है-

(क) द्विस्थानपतित (ख) त्रिस्थानपतित

(ग) चतुःस्थानपतित (घ) कोई नहीं ( )

(g) परमाणु की उत्कृष्ट स्थिति हो सकती है-

(क) संख्यात काल (ख) असंख्यात काल

(ग) अनंतकाल (घ) 1 समय ( )

(h) एक परमाणु में एक समय में कितने स्पर्श हो सकते हैं-

(क) 2 (ख) 4

(ग) 8 (घ) 1 ( )

(i) मोहनीय कर्म का बंध कितने गुणस्थान तक होता है-

(क) 1 से 9 (ख) 1 से 10

(ग) 1 से 11 (घ) 1 से 14 ( )

(j) सिद्ध में से 50 बोल में से कितने बोल मिलते हैं-

(क) 22 (ख) 23

(ग) 16 (घ) 25 ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) अवेदी में 7 कर्मों के बंध की भजना तथा आयु का अबंध होता है। ( )

(b) सम्यग्दृष्टि में आठ कर्मों के बंध की भजना है। ( )

(c) जम्बूद्वीप का धर्मास्तिकाय, धर्मास्तिकाय का सम्पूर्ण स्कन्ध हैं। ( )

(d) असंख्यात प्रदेशी स्कन्ध चार स्पर्श वाले ही होते हैं। ( )

(e) एक परमाणु पर अठ फरसी अनन्त प्रदेश वाले स्कन्ध रह सकते हैं। ( )

(f) लोक अनंत प्रदेशी नहीं होता है। ( )

(g) जीव पज्जवा में एक स्थान पतित का आशय असंख्यात भाग हीनाधिक है। ( )

(h) सभी जीवों के आत्मप्रदेशों की संख्या बराबर नहीं होती है। ( )

(i) प्रथम समय के उत्पन्न हुए जीव परम्पर उववन्ना हैं। ( )

(j) मिश्रदृष्टि सिर्फ अपर्याप्त अवस्था में होती है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं ऐसा कर्म हूँ, जो जीवनकाल में एक बार ही बंधता हूँ। .....

(b) मुझमें 47 बोल में से 31 बोल मिलते हैं। .....

(c) मुझमें 47 बोल में से 35 बोल मिलते हैं। .....

(d) मैं ऐसा सन्नी मनुष्य हूँ, जिसमें अवधि का उपयोग नहीं होता है। .....

(e) मेरे होने पर अन्तर्मुहूर्त में नियम से केवलज्ञान हो जाता है। .....

(f) मुझमें सम्पूर्ण वस्तु का समावेश होता है। .....

(g) अजीव पज्जवा में मेरे अलावे 35 हैं। .....

(h) 256 राशि में मेरी सबसे कम राशि है। .....

(i) 256 में से मेरी राशि 252 हैं। .....

(j) 256 में से मेरी राशि 64 हैं। .....

प्र.4 एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **47 बोल में से 5 अनुत्तर विमान में पाये जाने वाले 26 बोल लिखिए।**

.....

.....

(b) **मोहनीय कर्म आश्री अकषायी तथा अलेशी में मनुष्य की अपेक्षा भंग बताइए ।**

.....

.....

(c) **आयुकर्म आश्री अयोगी तथा सम्यग्दृष्टि में मनुष्य की अपेक्षा भंग बताइए।**

.....

.....

(d) **जीव पज्जवा में द्रव्य तथा प्रदेश की अपेक्षा से तुल्य कहा जाता है। क्यों ?**

.....

.....

(e) **एक पृथ्वीकाय की दूसरे पृथ्वीकाय से अवगाहना व स्थिति की अपेक्षा तुलना कीजिए।**

.....

.....

(f) **उत्पत्ति के प्रथम समय में भी चक्षुदर्शन होता है। जीव पज्ज्वा के थोकड़े से कोई एक प्रमाण दीजिए।**

.....

.....

(g) **एक परमाणु पुद्गल की दूसरे परमाणु पुद्गल से अवगाहना एवं वर्णादि की अपेक्षा तुलना कीजिए।**

.....

.....

(h) **संख्यात प्रदेशी स्कन्ध की दूसरे संख्यात प्रदेशी स्कन्ध से प्रदेश एवं अवगाहना की अपेक्षा से तुलना कीजिए।**

.....

.....

(i) **अचित्त महास्कन्ध को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

(j) **अपर्याप्त व पर्याप्त की राशि लिखते हुए अल्प बहुत्व लिखिए।**

.....

.....

(k) **अपर्याप्त से सुप्त जीव संख्यात गुणा हैं। क्यों ?**

.....

.....

(l) **50 बोल में से एकेन्द्रिय में मिलने वाले 23 बोल लिखिए।**

.....

.....

(m) **अपरीत में गुणस्थान तथा 8 कर्मों की नियमा-भजना लिखिए।**

.....

.....

(n) **अनाहारक में गुणस्थान तथा 8 कर्मों की नियमा-भजना लिखिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **आयुकर्म आश्री मनःपर्यावज्ञानी में दूसरा भंग तथा मिश्र दृष्टि मनुष्य में प्रथम दो भंग क्यों नहीं मिलते? कारण सहित लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **तेजोलेश्या पृथ्वीकाय में आयुकर्म आश्री तीसरा भंग ही मिलता है, शेष नहीं। क्यों?**

.....

.....

.....

.....

.....

(c) **सम्यग्दृष्टि समुच्चय जीव की अपेक्षा ज्ञानावरणीय कर्म आश्री चारों भंग किन-किन गुणस्थानों में कब-कब मिलेंगे ? लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **भगवती सूत्र शतक 26 के दूसरे से सातवें शतक का नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(e) **जीव पज्जवा में वर्णित त्रिस्थानपतित का आशय लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(f) **जघन्य मतिज्ञान वाले बेइन्द्रिय की जघन्य मतिज्ञान वाले बेइन्द्रिय से तुलना कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(g) **जघन्य स्थिति वाले मनुष्य की जघन्य स्थिति वाले मनुष्य से तुलना कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(h) **केवल ज्ञानी मनुष्य की केवलज्ञानी मनुष्य से तुलना कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(i) **जघन्य अवधिज्ञान वाले मनुष्य की जघन्य अवधिज्ञान वाले मनुष्य से तुलना कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(j) **जीव पज्जवा से अनंत भाग हीनाधिक तथा अनंत गुण हीनाधिक को समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(k) **संख्यात आकाश प्रदेशावगाढ पुद्गल की परस्पर तुलना कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(l) **जघन्य गुण काले वर्ण वाले परमाणु पुद्गल की परस्पर में तुलना कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(m) **जघन्य स्थिति वाले पुद्गल की परस्पर में तुलना कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(n) **256 राशि के 14 बोलों की सम्मिलित अल्पबहुत्व में प्रथम छह बोलों की अल्पबहुत्व लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....